programme has been launched which involves setting up of mechanical compost plants, gobar gas plants, and intensification of green manuring.

Considerations in fixing price of wheat

117. SHRI R. K. MHALGI: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state the considerations in fixing the price of wheat this year at Rs. 110 per quintal?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI PARKASH SINGH BADAL): The price of wheat during 1977-78 has been fixed at Rs. 110/- per quintal for fair average quality as a price support measure on the basis of the recommendation made by the Agricultural Prices Commission and after-consultation with the Chief Ministers of States. This-price of Rs. 110/- per quintal has been fixed taking into consideration *inter-alia* the available data on cost of production, the changes effected in prices of inputs, the production prospects the likely trend in prices and the overall economic situation in the country. Zonal restrictions on movement of wheat have also been removed and this is expected to enable the producer to get even a higher price for his produce.

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा अनुसंधान

118. **श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत दो वर्षों के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने ब्रह्माण्ड किरणों (गामा ज) के द्वारा जो [illegible] किये हैं, उनका ब्यौरा क्या है ; और

(ख) इन उपलब्धियों को किसानों तक पहुंचाने के लिए क्या प्रयत्न किए गए हैं?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री प्रकाश सिंह बादल) : (क) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित अनुसंधान कार्य के लिये गामा बिकिरण का उपयोग किया है :—

(1) उन फसल पौधों की किस्मों में मात्र पैत्रिक दोषों को सुधारना जो इन दोषों के अलावा अच्छे हों। इस 'एप्रोच' का उपयोग चावल, गेहूं, बाजरा, जौ तथा कपास पर किया गया है ।

(2) फसलोत्तर रोगों का नियंत्रण गामा बिकिरण तथा गर्म पानी के संयुक्त उपचार द्वारा टमाटर के फलों में फफूंदी को नियंत्रित करने के लिए प्रारम्भिक अध्ययन किये गये ।

(3) भंडारों में रखे हुए अनाजों के लिए कीट व्याधियों का नियंत्रण।

(4) 'सैल्युलर' स्तर पर आकृतिक तथा जैव-रसायनिक म्युटंटो का उत्पादन, तथा

(5) भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जत नगर तथा इसके क्षेत्रीय केन्द्र, रावलपुरा, श्रीनगर, जम्मू कश्मीर राज्य, दोनों स्थानों पर विकिरण क्षीणित 'लंग-वर्म वैक्सीन' का उत्पादन ।

(ख) फसल किस्मों के आर्थिक रूप से लाभदायक फसल चक्रों का, उनकी व्यावहारिक उपयोगिता की दृष्टि से, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान फार्मों पर बारीकी के साथ परीक्षण किया जाता है और परिणामों का सत्यापन अखिल भारतीय समन्वित फसल सुधार प्रायोजना के अधीन विस्तृत जांचों के माध्यम से किया जाता है । राज्यों के कृषि विभागों द्वारा भी इसकी जांच की जाती है । इन